।। कार्यालय महानिदेशक पुलिस, राजस्थान, जयपुर ।।

क्रमांक : प–15(1)पुलिस/ए/गोपनीय/2009/ 795 दिनांक : 13.07.2012

1) समस्त रेंज महानिरीक्षक पुलिस, राजस्थान मय पुलिस आयुक्त, जयपुर एवं जोधपुर ।

2) समस्त अतिरिक्त पुलिस आयुक्त/जिला पुलिस अधीक्षकगण/समस्त पुलिस उपायुक्त, राजस्थान ।

विषय : वी.एम.ओ.यू. द्वारा प्रारम्भ किये जा रहे पुलिस अध्ययन पर दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के संबंध में।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से पुलिस अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (M.A. in Police Studies) की सर्वथा नवीन पहल की गई है। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पुलिस की कार्य प्रणाली, पुलिस प्रबन्धन, वैश्विकरण के अन्तर्गत पुलिस की चुनौतियाँ, पुलिस में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के बेहतरीन उपयोग, साईबर क्राइम और उनसे निपटने के तरीकों, पुलिस व्यवहार, संवाद कौशल, व्यक्तित्व विकास, पुलिस एवं मीडिया आदि विषयों को समाहित करते हुए पाठ्य सामग्री तैयार की गई है।

विश्वविद्यालय के अनुसार पाठ्यक्रम कुछ इस प्रकार से तैयार किया गया है कि यह नवीन शिक्षार्थियों के साथ ही पुलिस बल में कार्यरत कार्मिकों के लिये भी बेहद उपयोगी और ज्ञानवर्द्धक है। इसे भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों की देखरेख में और उन्हीं के द्वारा तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम दो वर्ष का है एवं इसका शुल्क प्रति वर्ष 4000/– रूपये है, जिसमें पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा ही प्रदान की जायेगी। इस पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें शिक्षार्थी को अवकाश लेकर अध्ययन करने की आवश्यकता नहीं है। शिक्षार्थी अन्य काम करते हुए भी इस पाठ्यक्रम को पूर्ण कर सकता है। शिक्षार्थियों की सुविधा के लिये इसे दो वर्ष से छः वर्ष तक की अवधि में पूर्ण करने का **विश्वविद्यालय ने प्रावधान रखा है। विभिन्न पदों पर पदोन्नति के लिए शैक्षिक योग्यता के स्तर के अनुसार अंक प्रदान किए जाने का प्रावधान पुलिस नियमों में है। इस पाठ्यक्रम को करने से पुलिसकर्मी एक तरफ जहां अन्य लाभ प्राप्त कर सकेंगें, वहीं अपनी व्यावसायिक, शैक्षिक विभागीय ज्ञान एवं पटुता को विकसित करने में सक्षम हो सकेंगें। इस पाठ्यक्रम को हिन्दी** एवं अंग्रेजी दोनों माध्यमों से पूर्ण किया जा सकता है तथा पुलिस के सभी रैंकों के अधिकारियों के लिए है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेश दाधीच का पत्र संलग्न करते हुए आपसे यह अपेक्षा है कि आप अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों, कार्मिकों और सभी थानों को इस पाठ्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक जानकारी दें और इसे प्रसारित करवाएं।

संलग्न : यथोपरि ।

भवदीय,

(एच. सी. मीना)
महानिदेशक पुलिस
राजस्थान, जयपुर

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं समान कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1) समस्त अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस राजस्थान ।
2) महानिरीक्षक पुलिस, पुलिस दूरसंचार राजस्थान ।

E:\2009\message-Directions\various orders